कक्षा 8 वीं के विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय-भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष - 2007-2008

मार्गदर्शक
संजयकुमार पंडागले
प्रवक्ता
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
हितेष [illegible]
एम. एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

कक्षा–8 वीं के विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन

D– 258

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय–भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष – 2007–2008

मार्गदर्शक
संजयकुमार पंडागले
प्रवक्ता
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
हितेष परमार
एम. एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

घोषणा–पत्र

मैं परमार हितेष आर. एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि **''कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन''** नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध 2007–08, में संजय कुमार पंडागले प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

इस शोध में किये गये प्रदत्त एवं सूचनाऐं विश्वसनीय स्रोत तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गई है, तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2007–08 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघु शोध का उपयोग अन्य उपाधि के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 21 अप्रैल 2008

हितेष परमार

शोधकर्ता
परमार हितेष
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान – भोपाल (एन.सी.ई.आर.टी.)** के **एम.एड्. (प्रारंभिक शिक्षा)** के छात्र **हितेष परमार** ने मेरे मार्गदर्शन मे बरकतउल्लाह विश्व विद्यालय– भोपाल द्वारा आयोजित **सन्–2007/2008** की **एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)** उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु – **''कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन''** विषय पर विश्वसनीय शोधकार्य किया है। यह लघुशोध प्रबंध उनकी मौलिक कृति है।

संजयकुमार पंडागले

(प्रवक्ता)

दिनांक :– 21/4/2008

क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक **संजयकुमार पंडागले**, प्रवक्ता (शिक्षा विभाग), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का है। जिनके निरंतर आत्मयिता और वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोध कार्य पूर्ण हो सका है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके द्वारा दिये गये धैर्य, आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं अपने आदरणीय प्राचार्य, प्रो. ए.बी. सक्सेना, (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल) तथा अधिष्ठाता प्रो. एस.ए.शफी, विभागाध्यक्ष प्रो.डॉ.जी.एन.पी. श्रीवास्तव के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। एम.एड. प्रभारी डॉ.बी.रमेश बाबू का भी आभारी हूँ। सभी गुरूजनों का भी हृदय से आभारी हूँ।

मैं अपने मुद्रक दशरथसिंह राजपूत के प्रति (राजपूत फोटोकॉपी, 18–न्यू मार्केट टी.टी.नगर, भोपाल) समय पर शोधकार्य को मुद्रित करके देने के लिए आभारी हूँ।

मैं मेरे करीबी मित्र जयेन्द्रसिंह सोलंकी, हरेश, रूचा तथा मनसुख के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान मिले सहयोग के लिए आभारी हूँ। अपने आदरणीय माता–पिता, भाई–बहन, मेरी धर्मपत्नि तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवनपर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होनें मेरे अध्ययन में पूर्ण सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 21 अप्रैल 2008

हितेष परमार

परमार हितेष
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
अध्याय –प्रथम	**प्रस्तावना**	01–11
1.0	भूमिका	01
1.1	समस्या की पूर्व भूमिका	07
1.2	समस्या का प्राकथन	07
1.3	अध्ययन की आवश्यकता	08
1.4	अध्ययन के उददे्श्य	09
1.5	परिकल्पनाएँ	10
1.6	परिचालक परिभाषाएँ	10
1.7	अध्ययन का सीमांकन	11
अध्याय–द्वितीय	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	12–19
2.0	भूमिका	12
2.1	पूर्व शोध कार्य का आकलन	15
2.1.1	एम.एड. छात्रों द्वारा किया गया अध्ययन कार्य	16
2.1.2	विद्वान व्यक्तियों के द्वारा किया गया अध्ययन कार्य	16
अध्याय–तृतीय	**शोध प्रविधि**	20–29
3.0	भूमिका	20
3.1	समस्या का शीर्षक	20
3.2	शोध के मुख्य चर	21

3.3	प्रतिदर्श का चयन	22
3.4	शोध में प्रयुक्त उपकरण	24
3.5	प्रदत्तों का संकलन	25
	3.5.1 शोध उपकरण का प्रशासन/संचालन	25
	3.5.2 प्रदत्त संकलन में उत्पन्न हुई कठिनाईयाँ	26
	3.5.3 प्रदत्तों की प्राप्तांक सूची	27
3.6	प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ	27
3.7	शोध की परिकल्पना	27
अध्याय–चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	30–35
4.0	भूमिका	30
4.1	परिकल्पनाओं का विवरण	31
अध्याय–पंचम	**निष्कर्ष एवं सुझाव**	36–40
5.0	भूमिका	36
5.1	अध्ययन के उददेश्य	36
5.2	परिकल्पनाएँ	36
5.3	निष्कर्ष	37
5.4	सुझाव	37
5.5	भविष्य के लिये सुझाव	39
	संदर्भ ग्रंथ सूची	41
	परिशिष्ट	
	अ. अधिगम शैली परीक्षण मॉडल	

तालिका सूची

		पृष्ठ संख्या
3.1	विद्यार्थियों की अधिगम शैली एवं उपलब्धि प्रमाण	27
4.1	शहरी विद्यार्थियों की अधिगमशैली और उपलब्धि का प्रमाण	31
4.2	ग्रामीण विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि का प्रमाण	32
4.3	विद्यार्थियों की अधिगम शैली और उपलब्धि का प्रमाण	33
4.4	अधिगम शैली और उपलब्धि का प्रमाण	35